वीडियो महिलाओं के जीवन को बेहतर बनाने में मदद करते हैं

प्रभाव अध्ययन

1

परिचय

पुरुषों को जानकारी प्राप्त करना ज्यादा आसान है, बजाय महिलाओं के इस अध्ययन में पूछा गया कि क्या किसान-से-किसान वीडियो इस लिंग पूर्वाग्रह को दूर करने में मदद कर सकते हैं, और नए ज्ञान के साथ महिलाएं क्या करेंगी।

वीडियो देखने वाली बांग्लादेशी महिलाओं ने स्वस्थ बीज उत्पादन किया, अधिक आमदनी अर्जित की , और नई जानकारी की मांग करने और नई जानकारी साझा करने में अधिक आत्मविश्वास था।

अध्ययन

बांग्लादेश में, किसानों के साथ चावल के बीज पर वीडियो फिल्माया गया और फिर कई गांवों में दिखाया गया। शोधकर्ताओं ने उत्तर पश्चिम बांग्लादेश के 28 वीडियो गांवों में बेतरतीब ढंग से चुनी गई 140 महिलाओं और 4 नियंत्रित गांवों में 40 महिलाएंओं का विगत पांच वर्षो में उन के जीवन में बदलाव के बारे में साक्षात्कार लिया गया । महिलाओं ने औसतन छह बार वीडियो देखे थे ।

एक वीडियो घर में चावल का बढ़ा हुआ स्टॉक होसनाबाद गाँव, उत्तर पश्चिम बांग्लादेश

वीडियो देखने वाली महिलाओं ने अधिक प्रयोगों को आयोजित किया, अधिक नवाचारों को अपनाया, बीज बेचने और बेहतर कीमतों के लिए मोलभाव करने के नए तरीके खोजने मदद की। महिलाओं ने अपने बीज दर को कम कर दिया, लगभग आधा (यानी उनकी उत्पादन लागत कम)। उन्होंने जो उत्पादित किये वो बीज उज्जवल, स्वस्थ और बेचने में आसान थे। नियंत्रित गांवों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

चावल की पैदावार में 15% की वृद्धि हुई, जिससे महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ। 20% से अधिक घरों ने चावल की में आत्मनिर्भरता प्राप्त की, नियंत्रित गांवों में कोई बदलाव नहीं हुआ। वीडियो घरों के 24% से अधिक अतिरिक्त उत्पादक बन गए। उन्होंने अधिक चावल, पौध और धान बेचा। महिलाओं के पति उनसे चावल के बीज और घर का खर्च चलाने के बारे में अधिक बार सलाह कर ने लगे। जिन परिवारों के पास खुद की जमीन थी (यानी जमीन बटाई पर नहीं थी), और जिनके पास घर के सदस्यों की मदद थी, उनके लिए उनकी आय में वृद्धि की संभावना अधिक थी। जो महिलाएं कई बार वीडियो देखती थीं, वे अधिक समर्थन और आय में अधिक वृद्धि प्राप्त करने में सक्षम थीं। उन्होंने सेवा प्रदाताओं और समुदाय के अन्य लोगों के साथ अधिक आत्मविश्वास से मांग की और नया ज्ञान साझा किया।.

निष्कर्ष

यदि वीडियो देखने वाली महिलाएं के पास भूमि और श्रम था, तो वे उनकी आय, सामाजिक प्रतिष्ठा और नवाचार करने की क्षमता वृद्धि करने में सक्षम थीं। ज्ञान शक्ति है (लेकिन उसी तरह भूमि है)।

Contact: Paul Van Mele | paul@agroinsight.com

TO CITE THE ARTICLE:

Chowdhury, A.H., P. Van Mele & M. Hauser 2011 Contribution of farmer-to-farmer video to capital assets building: Evidence from Bangladesh. *Journal of Sustainable Agriculture* 35(4): 408–435.

AccessAgriculture

AGRO insight communicating agriculture

Summary and photos by Jeff Bentley